III

Date: / /

गृहविज्ञान शिक्षण क्षेत्र के बाहर के रोजगार →

गृहविज्ञान शिक्षण - क्षेत्र से बाहर निम्नलिखित रोजगार प्राप्त किए जा सकते हैं।

गृह विज्ञान प्रसार कार्यकर्ता →

प्रसार के क्षेत्र में गृह विज्ञान प्रसार हेतु ग्रामसेविका या मुख्य सेविका प्रशिक्षण केन्द्रों पर गृहवैज्ञानिक के पद पर रहकर उन्हें आवश्यक मार्ग दर्शन प्रदान कर सकती है।

प्रशिक्षण महाविद्यालय में शिक्षिका →

प्रशिक्षण महाविद्यालयों में गृहविज्ञान की शिक्षिकाओं को तैयार करने हेतु गृहविज्ञान व्याख्याता पद पर कार्य कर सकती है। इसके लिए गृहविज्ञान में स्नातकोत्तर डिग्री आवश्यक है।

परिधान डिजाइनर →

वस्त्र एवं परिधान निर्माण में विशिष्टता प्राप्त छात्राएँ रेडीमेड वस्त्र निर्माण केन्द्रों पर डेस डिजाइनर के रूप में कार्य कर सकती है। जहाँ बच्चे स्त्रियों एवं पुरुषों के लिए फैशन के अनुरूप नवीनतम परिधानों के चयन में सहायता प्रदान कर सकती है।

डायटिशियन →

अस्पतालों एवं होटलों में आहार एवं पोषण विशेषज्ञों की नियुक्ति डायटिशियन के पद पर की जाती है।

Date: / /

जहाँ वे रोगियो अथवा होटल के ग्राहको हेतु आहार आयोजन करने मेनू बनाते है।

आन्तरिक सज्जाकार →

गृह-प्रबन्ध मे विशिष्टता प्राप्त लड़कियाँ घरो होटलो क्लबों विश्रामगृहों हेतु आन्तरिक सज्जाकार का काम कर सकती है।

बड़ों शहरों मे इनकी माँग अधिक है।

पत्रकार या लेखिका

देश मे गृहविज्ञान से सम्बन्धित कई महिलोपयोगी पत्रिकाएँ तथा अखबारों मे विशिष्ट स्तम्भ तथा पृष्ठ प्रकाशित होते है। गृहविज्ञान मे विशिष्टता प्राप्त लेखन मे प्रवीण लड़कियाँ ऐसी पत्र-पत्रिकाओं का सम्पादन कर सकती हैं।

बाल-शिक्षा के क्षेत्र में →

आज के बच्चे ही भावी राष्ट्र के कर्णधार है

इस विज्ञान कि शिक्षा प्राप्त करने वाली लड़कियाँ भली-भाँति परिचित है। वे अपने परिवार के बच्चो की शिक्षा की ओर काफी ध्यान देने लगी क्यो वे स्वयं शिक्षित है।

प्राचार्य
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया